भीमगढ़ वन्यजीव अभयारण्य

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

भीमगढ़ वन्यजीव अभयारण्य (BWS) के **पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र** में लोगों के अतिक्रमण ने संरक्षणवादियों के बीच गंभीर चिंता उत्पन्न कर दी है, जिससे क्षेत्र के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता के लिये खतरा उत्पन्न हो गया है।

- पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्र (ESZ) **राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों** के आसपास के **बफर क्षेत्र (10 किमी तक)** हैं, जिन्हें अनावश्यक मानवीय गतिविधियों को कम करने हेतु घोषित किया गया है तथा **राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (वर्ष 2002-2016)** के अनुसार पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित किया गया है।
  - **निषिद्ध वाणिज्यिक खनन, प्रदूषणकारी उद्योग**, प्रमुख जलविद्युत परियोजनाएँ, आरा मिल, लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग आदि।
  - **विनियमित** : **वृक्षों की कटाई**, होटल/रिसॉर्ट का निर्माण, **वाणिज्यिक जल उपयोग**, कीटनाशक आधारित कृषि आदि।
  - **अनुमति प्राप्त** : **पारंपरिक खेती, वर्षा जल संचयन, जैविक खेती**, नवीकरणीय ऊर्जा और **हरित प्रौद्योगिकियों का उपयोग**
- **भीमगढ़ वन्यजीव अभयारण्य: BWS कर्नाटक के बेलगाम ज़िले में** गोवा की सीमा के पास स्थित है। यह **पश्चिमी घाट में फैला हुआ है और दिसंबर 2011** में इसे वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था।
  - इसका नाम **भीमगढ़ किले के नाम पर रखा गया है, जिसे शिवाजी ने** 17वीं शताब्दी में पुर्तगाली सेनाओं से बचाव के लिये बनवाया था।
  - **यहाँ वेलवेट फ्रंटेड नटहैच**, **मालाबार ग्रे हॉर्नबिल, इंपीरियल पिजन, एमराल्ड पिजन** और दुर्लभ **मालाबार ट्रोगोन** सहित विविध जीव पाए जाते है।
    - इसे **बारापेडे गुफाओं** में पाए जाने वाले **रॉटन फ्री-टेल्ड बैट** के **एकमात्र ज्ञात प्रजनन स्थल के रूप में जाना जाता है।**
  - इस अभयारण्य में **वज्रपोहा जलप्रपात शामिल है** और यह महादयी नदी **के जलग्रहण क्षेत्र का हिस्सा है।**

और पढ़ें: कर्नाटक के पश्चिमी घाट में आक्रामक प्रजातियाँ और खाद्य संकट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bhimgad-wildlife-sanctuary